



अग्रभारत

नई सोच का अखबार

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्ष: 19

अंक: 118

आगरा, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2.00 ₹.

अंकिता भंडारी हत्याकांड: राहुल ने कहा- हम साथ देंगे

नई दिल्ली(ए)। अंकिता भंडारी हत्याकांड एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है। इस बहुचर्चित मामले में पीड़ित अंकिता के माता-पिता ने हाल ही में नई दिल्ली स्थित इंडिया गेट पर धरना प्रदर्शन किया, जिसके बाद उन्हें दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में ले लिया गया। माता-पिता भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम को सिविकम का राज्यपाल बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। उनका दावा है कि सितंबर 2022 में हुई अंकिता की हत्या के पीछे जिस वीआईपी की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे थे, वह दुष्यंत गौतम ही हैं। इस दौरान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी इंडिया गेट पहुंचे और अंकिता के माता-पिता से मुलाकात कर उन्हें न्याय की लड़ाई में पूरे सहयोग का भरोसा दिया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर चार साल बाद भी परिवार को न्याय न मिलने पर चिंता जताई।

अंकिता भंडारी की कथित तौर पर हत्या 18 सितंबर 2022 को हुई थी। वह ऋषिकेश के वंतारा रिजॉर्ट में रियेशनिस्ट के तौर पर काम करती थीं। 24 सितंबर 2022 को अंकिता का शव चीला नहर से बरामद किया



गया था। इस मामले में अदालत द्वारा रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य, मैनेजर 2025 में सोशल मीडिया पर कुछ आजीवन कारावास की सजा सुनाई

जा चुकी है। यह मामला तब व्यापक रूप से सुर्खियों में आया जब दिसंबर 2025 में सोशल मीडिया पर कुछ ऑडियो और वीडियो क्लिप वायरल

हुए। हरिद्वार के ज्वालापुर से भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी होने का दावा करने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने अपने सोशल

मीडिया अकाउंट पर अंकिता भंडारी मामले से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया था। इन क्लिप्स में उर्मिला सनावर ने अंकिता हत्याकांड में एक वीआईपी की संलिप्तता का जिक्र किया। उर्मिला ने सुरेश राठौर के साथ कथित बातचीत का एक ऑडियो-वीडियो वायरल किया, जिसमें यह दावा किया गया कि अंकिता की हत्या वीआईपी गट्टू के कारण हुई, क्योंकि उसने एकस्ट्रा सर्विस की मांग ठुकरा दी थी। इसके बाद चर्चाओं में इस नाम को भाजपा के तत्कालीन प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम से जोड़कर पेश किया गया। उत्तराखंड भाजपा इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अंकिता भंडारी मामले में हर स्तर पर ठोस कदम उठाए हैं और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की है। भट्ट ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुरुआत से ही स्पष्ट कर दिया था कि महिलाओं की सुरक्षा और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि घटना का पता चलने के 24 घंटे के भीतर ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

रिश्वतखोरी मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, पुणे में म्युनिशन्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक के घर से

1.73 करोड़ रुपये नकद बरामद

पुणे, (ए)। रिश्वतखोरी के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पुणे स्थित म्युनिशन्स इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार के पुणे स्थित आवास से 1 करोड़ 73 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इस मामले में अनिल कुमार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई के अनुसार, अनिल कुमार के खिलाफ 12 अक्टूबर को भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि म्युनिशन्स इंडिया लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक के पद पर रहते हुए उन्होंने कुछ निजी ठेकेदारों और सामान की आपूर्ति करने वाली कंपनियों के साथ सरकारी कामकाज से जुड़े अनुबंधों में कथित तौर पर अनियमितताएं कीं। जांच एजेंसी को संदेह है कि इन ठेकेदारों और कंपनियों को सरकारी कामों में लाभ पहुंचाने के बदले रिश्वत मांगी गई और स्वीकार की गई।

500 करोड़ रुपये के अनुबंध की भी जांच

इस मामले में एसएमपीपी लिमिटेड का नाम भी सामने आया है। यह कंपनी झेन तकनीक और गोला-बारूद निर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करती है। सीबीआई के आरोपों के मुताबिक, एसएमपीपी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक आशीष कंसल और अनिल कुमार के बीच नियमित संपर्क था। जांच एजेंसी इस संपर्क को एक वर्ष की अवधि में गोला-बारूद की आपूर्ति के लिए एसएमपीपी लिमिटेड को दिए गए लगभग 500 करोड़ रुपये के आधिकारिक अनुबंध के संदर्भ में देख रही है। एजेंसी को आशंका है कि इस अनुबंध से संबंधित सरकारी कामकाज में अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले रिश्वत का लेन-देन हुआ हो सकता है। इस पहलू की जांच की जा रही है।

भारतीय रक्षा बलों के लिए गोला-बारूद बनाना है एमआईएल

म्युनिशन्स इंडिया लिमिटेड भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना और अर्धसैनिक बलों के लिए गोला-बारूद तथा विस्फोटकों के निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान, विकास और विपणन का काम करती है। ऐसे में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ हुई इस कार्रवाई को रक्षा क्षेत्र से जुड़े सरकारी अनुबंधों में पारदर्शिता के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल सीबीआई मामले से जुड़े वित्तीय लेन-देन, कथित रिश्वत और अनुबंध से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है।

मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को नवी मुंबई शिफ्ट करने का फैसला टला, मार्च 2027 तक मिली राहत

मुंबई, (ए)। हवाई यात्रियों के लिए राहत की खबर सामने आई है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के पुनर्विकास को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने की योजना फिलहाल टाल दी गई है। एयरलाइंस के कड़े विरोध के बाद हवाई अड्डा प्रशासन ने इस प्रस्ताव को मार्च 2027 तक स्थगित करने का फैसला किया है। पहले यह बदलाव 25 अक्टूबर से लागू करने की योजना थी। इस फैसले से संचालित करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। इस फैसले से यात्रियों को फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद है। एयरलाइंस का कहना था कि उड़ानों के समय और स्लॉट में अचानक बदलाव करने से पहले से तैयार शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

265 साप्ताहिक उड़ानों को प्रभावित करने की थी योजना

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से फिलहाल 46 एयरलाइंस हर सप्ताह लगभग 770 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करती हैं। टर्मिनल-1 के पुनर्विकास के लिए इनमें से करीब 33 प्रतिशत यानी लगभग 265 साप्ताहिक उड़ानों के स्लॉट कम करने या संबंधित उड़ानों को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव था। इस बदलाव को 25 अक्टूबर से लागू करने की तैयारी की गई थी। हालांकि, एयरलाइंस ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि सर्दियों के मौसम के लिए उड़ानों का समय, स्लॉट और परिचालन संबंधी तैयारियां पहले ही तय की जा चुकी हैं। ऐसे में अचानक बदलाव करने से उड़ान संचालन और यात्रियों की यात्रा योजनाओं पर असर पड़ सकता है।

मार्च 2027 तक टला फैसला

एयरलाइंस की आपत्तियों और परिचालन संबंधी दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए हवाई अड्डा प्रशासन ने उड़ानों के स्थानांतरण की योजना मार्च 2027 तक टाल दी है। इससे एयरलाइंस को अपने निर्धारित शीतकालीन कार्यक्रम के अनुसार उड़ानें संचालित करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। इस फैसले से यात्रियों को भी फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि उड़ानों के स्थानांतरण से जुड़ा प्रस्तावित बदलाव तत्काल लागू नहीं होगा। हालांकि, यात्रियों को अपनी संबंधित एयरलाइन से उड़ान के समय, टर्मिनल और हवाई अड्डे से जुड़ी जानकारी को पुष्टि करते रहना चाहिए।

अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ीं, इंडी ने रिलायंस पावर की 2,032 करोड़ रुपये की संपत्ति की जब्त

मुंबई, (ए)। देश के प्रमुख उद्योगपतियों में शामिल अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई जारी है। ताजा कार्रवाई में इंडी ने रिलायंस पावर लिमिटेड की भारत में स्थित 2,032.81 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धारा 37ए के तहत की गई है। जब्त संपत्तियों में रिलायंस पावर के बैंक खातों में जमा राशि और सासन पावर लिमिटेड में हिस्सेदारी शामिल होने की जानकारी सामने आई है। इस कार्रवाई के बाद अनिल अंबानी समूह से जुड़े वित्तीय लेन-देन और विदेशों में किए गए निवेश को लेकर जांच फिर चर्चा में आ गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इंडी इस मामले में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) से मिली जानकारी के आधार पर भी जांच कर रही है। हालांकि, जांच के दौरान लगाए गए आरोपों और अंतिम रूप से साबित हुए तथ्यों के बीच अंतर करना जरूरी है।

विदेशी निवेश और फंड ट्रांसफर की जांच

जांच एजेंसी को कथित तौर पर ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) और कैमैन आइलैंड्स में स्थित कंपनियों के साथ किए गए विदेशी निवेश तथा अग्रिम भुगतान से जुड़े लेन-देन की जांच करनी है। इन लेन-देन में धन के वास्तविक उपयोग और संबंधित कंपनियों के नियंत्रण को लेकर सवाल उठाए गए हैं। आरोपों के अनुसार, वर्ष 2006 में रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड ने विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड (एफसीसीबी) के जरिए 300 मिलियन



डॉलर जुटाए थे। इसमें से 275 मिलियन डॉलर सिंगापुर स्थित एक सहायक कंपनी में निवेश किए जाने का आरोप है। इसके बाद इस धनराशि के आधार पर ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में स्थित कंपनियों को कर्ज दिए जाने की बात सामने आई है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इन कंपनियों का वास्तविक नियंत्रण किसके पास था और धन का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया।

2,101 करोड़ रुपये के राइट-ऑफ और प्रावधानों की भी पड़ताल

कंपनी के खातों में 2,101.46 करोड़ रुपये के राइट-ऑफ और वित्तीय प्रावधान दर्ज किए जाने से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा, मॉरिशस स्थित विदेशी संस्थाओं के माध्यम से कथित तौर पर धन को अस्थायी रूप से भारत वापस लाने और शेष राशि विदेश में रखने के आरोपों की पड़ताल हो रही है। जांच में यह भी आरोप लगाया गया है कि कर्ज की अदायगी नहीं होने के बाद कुछ लेन-देन को वैध व्यावसायिक गतिविधि के रूप में दिखाने

के लिए पिछली तारीख के दस्तावेज तैयार किए गए। इन आरोपों की पुष्टि और संबंधित पक्षों की जिम्मेदारी निर्धारित करना जांच प्रक्रिया का हिस्सा है।

पहले भी 9,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त होने का दावा

अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में इंडी पहले भी कार्रवाई कर चुकी है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, नवंबर 2025 में रिलायंस समूह से संबंधित आर्थिक अनियमितताओं की जांच के दौरान इससे पहले की कार्रवाइयों को मिलाकर अनिल अंबानी समूह से संबंधित 9,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई होने का दावा किया गया है। ताजा कार्रवाई के बाद विदेशी निवेश, बैंक खातों और कंपनियों के बीच हुए वित्तीय लेन-देन की जांच का दायरा और महत्वपूर्ण हो गया है। अब जांच एजेंसी का ध्यान कथित वित्तीय अनियमितताओं, धन के स्रोत और उसके अंतिम इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करने पर रहेगा।

अंकिता मामले में विनेश फोगाट हुई भावुक बोलीं- दिल पर हाथ रखकर पृष्ठि, बेटियों की सुरक्षा के लिए क्या किया

नई दिल्ली, (ए)। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर भावुक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देश में महिलाओं की सुरक्षा और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलने में होने वाली देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को टैग करते हुए अपील की कि वे एक महिला होने के नाते देश की बेटियों की सुरक्षा के लिए किए गए प्रयासों पर आत्मसमर्थन करें। विनेश की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब अंकिता के माता-पिता अपनी बेटी को न्याय दिलाने और मामले में कथित वीआईपी की भूमिका की जांच की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए सवाल किया है, आखिर कब तक बेटियों को खोने वाले परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकते रहेंगे और सत्ता में बैठे लोग अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ते रहेंगे।

इकलौते विधायक के बाद भी चुनौती बन गए प्रशांत किशोर

पटना(ए)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए पद संभालने के छह महीने के भीतर ही नई राजनीतिक चुनौती सामने आ गई है। यह चुनौती न तो प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से है और न ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से। बल्कि, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) अपने एक विधायक के दम पर मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। बीजेपी के गढ़ बांकीपुर में मिली जीत ने प्रशांत किशोर को सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर सवाल उठाने का एक नया मंच दे दिया है। उन्हे पद से हटाने की मांग भी कर दी।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत ने प्रशांत किशोर की चुनौती को और गंभीर बना दिया। यह सीट लगभग तीन दशकों से बीजेपी का गढ़ मानी जाती थी। उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 वोटों के अंतर से हराया। यह सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी के लिए यह पहला बड़ा चुनौती परीक्षण था, और हार ने विपक्ष को उनके जमीनी राजनीतिक प्रभाव पर सवाल उठाने का मौका दिया। जीत के बाद प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री से बिहार के लिए एक काबिल और चरित्रवान मुख्यमंत्री चुनने की अपील की। केवल किशोर की चुनौती अब केवल व्यक्तिगत हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह बिहार में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के भीतर मतभेदों का भी फायदा उठा रहे हैं। गठबंधन में बीजेपी, जेडीयू, केंद्रीय



मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (राजबििकास), केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। गठबंधन के भीतर असहमति का ताजा उदाहरण बिहार विधान परिषद चुनावों में देखने को मिला है। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले इन चुनावों में जन सुराज पार्टी के लिए समर्थन जुटाने की कोशिशों ने एनडीए के सहयोगी दलों के बीच तालमेल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अपनी ही पार्टी ने प्रधानमंत्री से बिहार के लिए एक काबिल और चरित्रवान मुख्यमंत्री चुनने की अपील की। केवल किशोर की चुनौती अब केवल व्यक्तिगत हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह बिहार में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के भीतर मतभेदों का भी फायदा उठा रहे हैं। गठबंधन में बीजेपी, जेडीयू, केंद्रीय

विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विवाद सुलझाने के लिए एनडीए विधायकों की बैठक बुलाई और आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार न करने की चेतावनी दी, लेकिन मतभेद दूर नहीं हो सके। प्रशांत किशोर ने इस विवाद को और हवा देते हुए नीतीश कुमार को सार्वजनिक रूप से मतदाताओं से नीरज कुमार के समर्थन की अपील करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार ऐसा करते हैं, तो जन सुराज अपने उम्मीदवार को वापस ले लेगी। एनडीए की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं; उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा में भी नेतृत्व को लेकर बगावत सामने आई है, जहां पार्टी के चार में से तीन विधायक खुले तौर पर नेतृत्व को चुनौती दे रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने सम्राट चौधरी के सामने गठबंधन को एकजुट रखने की चुनौती बढ़ा दी है।

ठंड से पहले मौसम करेगा टॉर्चर, दिल्ली समेत 20 से ज्यादा राज्यों में चेतावनी

नई दिल्ली(ए)। गुलाबी ठंड की दस्तक से पहले ही देश के कई हिस्सों में मौसम ने करघट बदली है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के करीब 20 से ज्यादा राज्यों में बारिश की संभावना बनी हुई है। विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि दक्षिणी हिस्सों में मूसलाधार बारिश की आशंका जताई गई है। यह मौसमी बदलाव उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण हो रहा है, जिसके चलते तापमान में गिरावट से पहले अचानक मौसम में उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

इन मौसमी प्रणालियों के चलते जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की

गई है, जिससे फसलों और सामान्य जनजीवन पर असर पड़ने की संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम में अचानक होने वाले इन बदलावों के प्रति सतर्क रहें। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज दिनभर आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम तक कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ स्थानों पर

सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

मध्य और पूर्वी भारत की बात करें तो, बिहार में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के कुछ इलाकों में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते 16 से 18 अक्टूबर के बीच राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। झारखंड में भी कई जगहों पर हल्की या छुटपुट बारिश दर्ज की जा सकती है, जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा। दक्षिण भारत में, कोंकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। हालांकि, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून

की वापसी के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हो चुकी हैं, और 15 से 19 अक्टूबर के दौरान दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बारिश का एक नया दौर देखने को मिल सकता है, जिससे इन क्षेत्रों में भी मौसम में बड़ा बदलाव महसूस होगा और किसानों व आम जनता को सतर्क रहने की आवश्यकता होगी।

मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के भी आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा हो सकता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि रात में भी दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। राजधानी में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस से 21 डिग्री

